

049
19

पत्रिका पेश है। अधिवक्ता वारीगण अनुदात्मक
अधिवक्ता प्रतिवारीगण उपाज्जेत। आद्यात्म (सम्प
मे रक्त-रक्त कर कई बार आवण लागवाने पर
भी अधिवक्ता वारीगण रूपवा वारीगण उपात्म
नही हुए। अतः वाद का शरम हजरी अरम केवी
मे शपारीन किया जाता है। (पत्रिका) के लाल शुभार
होकर नम्बर लेकस हो।


S/O

